



देहरादून जिले (उत्तराखंड) में तुलाज़ तकनीकी शिक्षण संस्थान में छात्रों के सूचना अन्वेषण व्यवहार को ज्ञात करना (एक अध्ययन)

(A survey to obtain the information seeking behavior of students at Tula's Technical Institute situated in Dehradun district)

श्री अभिषेक कुमार शर्मा¹

शोधार्थी पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग,
हिमालयीय विश्वविद्यालय,

डॉ इंदु भारती घिल्डियाल²

असिस्टेंट प्रोफेसर
हिमालयीय विश्वविद्यालय,

सार

शोधकर्ता द्वारा किए गए अध्ययन में उत्तराखंड के देहरादून जिले में स्थित तुलाज़ शैक्षणिक संस्थान में छात्रों के सूचना प्राप्ति व्यवहार का पता लगाया गया है। शोधकर्ता ने यह जानने की कोशिश की है कि छात्र अपनी वांछित जानकारी प्राप्त करने के लिए किन संसाधनों का उपयोग करते हैं और वे अपनी सूचना प्राप्ति के लिए संस्थान के पुस्तकालय कर्मचारियों पर किस तरह निर्भर रहते हैं। वर्तमान अध्ययन में संस्थान में अध्ययनरत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र शामिल थे। 400 छात्रों में बी.टेक (100), एम.बी.ए. (100), एम.सी.ए. (100) और बी.एससी. कृषि (100) शामिल थे।

कीवर्ड

सूचना प्राप्ति व्यवहार, छात्र, शैक्षणिक संस्थान, सूचना प्राप्ति व्यवहार, पुस्तकालय ई-संसाधन, सूचना संचार, सूचना प्रौद्योगिकी, पुस्तकालय संसाधन और सेवाएँ।

परिचय

सूचना अन्वेषण व्यवहार एक व्यापक एवं विस्तारित शब्द है जिसमें कई क्रियाओं का समावेश होता है। एक छात्र अपनी वांछित सूचना प्राप्ति के लिए जो भी प्रयास एवं क्रियाएँ करता है वही छात्र का सूचना अन्वेषण व्यवहार कहलाता है। छात्रों द्वारा किये गए कार्यों से, प्राप्त सूचनाओं, प्राप्त सूचनाओं में से अपनी वांछित सूचना का चयन, प्राप्त सूचनाओं का मूल्यांकन करना एवं उसके उपरांत प्राप्त होने वाली सूचना को अपने कार्यों को पूर्ण करने के लिए उपयोग करना ही सूचना अन्वेषण व्यवहार कहलाता है। विभिन्न-विभिन्न वर्गों, एवं पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की सूचना आवश्यकताएँ भिन्न-भिन्न हो सकती हैं जीके कारण सूचना के अन्वेषण का मार्ग, साधन, संसाधन एवं क्रिया भी भिन्न-भिन्न होती है। इसलिए सूचना प्राप्तकर्ता के लिए छात्रों की वांछित सूचना आवश्यकताओं को जानना एवं उन सूचनाओं के हल को समझना एक महत्वपूर्ण कार्य है। कोई भी सूचना प्राप्तकर्ता बिना छात्र की सूचना आवश्यकता को जाने अथवा परीक्षण किये सही सूचना सही समय पर प्राप्त नहीं कर सकता है इसलिए सूचना के हल का ज्ञान ही अति आवश्यक होता है किसी भी सूचना के हो लको ढूँढ़ना अथवा उस वांछित सूचना का अन्वेषण करना। छात्रों की सूचना माँग का व्यवहार छात्रों द्वारा अनुभव एवं प्राप्त न होने वाली किसी आवश्यकता की अनुपलब्धता से उत्पन्न होता है। छात्रों का यह सूचना की माँग का व्यवहार कई प्रकार से हो सकता है, जैसे उपयोगकर्ता औपचारिक प्रणालियों (पुस्तकालयों) या उन प्रणालियों पर माँग कर सकता है जो प्राथमिक गैर सूचना कार्य के अतिरिक्त सूचना कार्य भी कर सकती हैं।⁽¹⁾

सूचना अन्वेषण एक क्रिया है जिसके अंतर्गत छात्र अपनी वांछित सूचना को समझने का प्रयास अपने कौशल द्वारा करता है, सूचना किन संसाधनों एवं माध्यमों द्वारा प्राप्त होगी की समझ करता है, सूचना प्राप्ति में आने वाली कठिनाइयों को समझने का प्रयास करता है। सूचना माँग व्यवहार का प्राथमिक प्रयोग सूचना का अन्वेषण करने, सूचना को भिन्न-भिन्न माध्यमों के प्रयोग द्वारा एकत्रित करने के लिए किया जाता है। छात्रों की सूचना आवश्यकतों को पूर्ण करने के लिए वर्तमान में शैक्षणिक विभिन्न प्रकार के संसाधनों का समावेश अपने पुस्तकालयों में किया गया है, जिसमें छात्रों के पाठ्यक्रमों में सम्मिलित ई-पुस्तकें, ई-शोधपत्र, ई-समाचारपत्र, कंप्यूटर सिस्टम्स, डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना, सन्दर्भ सेवा केंद्र की स्थापना आदि सम्मिलित है।⁽²⁾ इन सभी संसाधनों के प्रयोग से सभी छात्र अपनी दैनिक दिनचर्या में आवश्यक जानकारी एवं सूचना की प्राप्ति कर लेते हैं। कुछ छात्रों द्वारा पुस्तकालय कार्मिकों को अपनी सूचना प्राप्ति के लिए संसाधनों के पर्याप्त न होने की सूचना देने पर पुस्तकालय कार्मिकों द्वारा संसाधनों के आदान-प्रदान की सेवा द्वारा अन्य पुस्तकालयों में उपलब्ध छात्र की वांछित सूचना प्राप्त करा दी जाती है। वर्तमान समय में छात्रों द्वारा अपने शिक्षकों से पुस्तकालय क्रमिकों से अपनी कक्षा में मिले कार्यों को पूर्ण करने के लिए, अपने प्रोजेक्ट को पूर्ण करने का लिए, करिसाहल, सेमिनार, वेबिनार के लिए सम्मेलनों में प्रतिभाग करने की तैयारी करने के लिए सूचना की माँग की जाती है। सूचना अन्वेषण व्यवहार एक व्यापक शब्द होने के साथ-साथ एक व्यापक क्रियाओं का समूह भी है जिसमें एक छात्र को भिन्न-भिन्न क्रियाओं से होकर गगुजरना पड़ता है इन क्रियाओं को करने में छात्रों को कई कठिनियों का भी सामना करना पड़ता है जिसमें छात्र कई बार सफल तो कई बार असफल भी होते हैं।⁽³⁾

साहित्य की समीक्षा

सूचना व्यवहार भी पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में प्रयुक्त कला का शब्द है, जिसका उपयोग एक उप-विषय को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जो सूचना के साथ मानवीय संबंध को समझने के लिए किए गए विभिन्न प्रकार के शोध में संलग्न होता है। सूचना खोज व्यवहार उन गतिविधियों को संदर्भित करता है जिसमें एक व्यक्ति अपनी सूचना की आवश्यकता की पहचान करते समय, किसी भी तरह से ऐसी सूचना की खोज करते समय और सूचना का उपयोग या हस्तांतरण करते समय संलग्न होता है। सूचना खोज शब्द अक्सर संबंधित अवधारणाओं और मुद्दों के एक समूह को कवर करने वाले एक छत्र के रूप में कार्य करता है। पुस्तकालय की दुनिया में, डेटाबेस निर्माण और प्रबंधन, सामुदायिक सूचना आवश्यकताओं, संदर्भ सेवाओं और कई अन्य विषयों की चर्चाएँ इस शब्द के साथ प्रतिध्वनित होती हैं। (4)

यह अध्ययन डिजिटल शैक्षणिक माहौल में छात्रों के वास्तविक सूचना-खोज व्यवहार पर साक्ष्य प्रदान करता है, न कि उनके विचार से। यह छात्रों के सूचना-खोज व्यवहार की तुलना अन्य शैक्षणिक समुदायों और, कुछ मामलों में, चिकित्सकों के साथ भी करता है। (5)

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों के सूचना खोज व्यवहार पर पाँच व्यक्तित्व आयामों के प्रभाव का पता लगाना था। सूचना खोज व्यवहार को उन सभी गतिविधियों के योग के रूप में परिभाषित किया जाता है जो आमतौर पर उच्च शिक्षा के छात्रों द्वारा अपने अध्ययन के लिए आवश्यक किसी भी प्रकार की जानकारी एकत्र करने, उपयोग करने और संसाधित करने के लिए किए जाते हैं। भारत के पूर्वी भाग (पश्चिम बंगाल) के विश्वविद्यालयों से अध्ययन के तीन व्यापक विषयों के 600 विश्वविद्यालय के छात्रों से डेटा एकत्र किया गया है। अध्ययन के लिए इस्तेमाल किए गए उपकरण सामान्य सूचना अनुसूची (जीआईएस), सूचना खोज व्यवहार सूची (आईएसबीआई) और एनईओ-एफएफआई व्यक्तित्व सूची थे। आईएसबीआई और एनईओ-एफएफआई व्यक्तित्व सूची के अंकों के बीच उत्पाद क्षण सहसंबंध पर काम किया गया है। निष्कर्षों ने संकेत दिया कि पांच व्यक्तित्व लक्षण विश्वविद्यालय के छात्रों के सूचना खोज व्यवहार के सभी आयामों से महत्वपूर्ण रूप से सहसंबद्ध हैं। (6)

इस बहु-विषयक अध्ययन ने स्नातक छात्रों के सूचना खोज व्यवहार का पता लगाया। निष्कर्ष बताते हैं कि लोग, विशेष रूप से शैक्षणिक कर्मचारी, एक केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। छात्र सूचना के लिए इंटरनेट के साथ-साथ विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के ऑनलाइन संसाधनों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं, हालांकि वे अभी भी पुस्तकों, पत्रिकाओं और शोधपत्रों जैसी हार्ड कॉपी सामग्री के लिए भौतिक पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। कुछ स्नातक छात्रों ने सूचना का पता लगाने में कठिनाई या सुविधा और गति की आवश्यकता जैसे प्रभावों का उल्लेख किया। (7)

सूचना की खोज करने का व्यवहार, किसी उद्देश्यपूर्ण तरीके से सूचना की खोज करने के मानवीय व्यवहार के रूप में माना जाता है। यह व्यवहार कभी-कभी बहुत ही अपरिभाषित होता है। वर्तमान अध्ययन ने कॉलेज ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (CBA) और कॉलेज ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (CIT) के छात्रों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग की जांच की। शोधार्थी ने उनकी खोज की आदतों, सूचना की खोज, उपयोग और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने में पुनर्प्राप्ति में संभावित कारकों और समस्याओं की जांच की। इसलिए, अध्ययन ने छात्रों के सूचना की खोज करने के

व्यवहार और शैक्षणिक कार्यों को निष्पादित करने के लिए ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करने में बाधाओं पर ध्यान केंद्रित किया। दुर्बई विश्वविद्यालय के छात्र अंततः सांस्कृतिक प्रभावों के कारण अलग-अलग खोज प्रक्रियाओं को अपनाते हैं, अलग-अलग वाक्यांशों का उपयोग करते हैं और अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सूचना की खोज करने में अधिक समय व्यतीत करते हैं। यह माना जाता है कि अपर्याप्त सूचना कौशल उन्हें प्रभावी ढंग से सूचना खोजने में बाधित कर रहे हैं।⁽⁸⁾

अध्ययन के उद्देश्य

- देहरादून जिले के तुलाज़ शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों के सूचना-प्राप्ति व्यवहार की पहचान करना।
- छात्रों द्वारा अपने पुस्तकालयों में बिताए गए पुस्तकालय के घंटे और समय को ज्ञात करना।
- छात्रों द्वारा पुस्तकालय का उपयोग किन उद्देश्यों के लिए किया जाता है का पता लगाना।
- पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों एवं पुस्तकालय द्वारा छात्रों को उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं का पता लगाना।
- छात्र अपनी सूचना प्राप्ति के लिए किन माध्यमों का प्रयोग करते हैं का पता लगाना।
- छात्रों द्वारा प्रयोग में लाये जाए वाले पुस्तकालय के संसाधनों का पता लगाना।
- छात्रों को पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों को उपयोग करने में आने वाली कठिनाइयों का पता लगाना।

अध्ययन का दायरा

अध्ययन का दायरा उत्तराखंड के जिले देहरादून में स्थित तुलाज़ शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्रों तक सिमित है।

शोध पद्धति

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य उत्तराखंड के जिले देहरादून में स्थित तुलाज़ शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्रों के सूचना प्राप्ति व्यवहार का वर्णन करना है। इसलिए अन्वेषक ने 7 प्रश्नों वाली एक स्वयं से निर्मित सुव्यवस्थित प्रश्नावली के माध्यम से डेटा संग्रह के लिए सर्वेक्षण पद्धति को अपनाया है। अन्वेषक द्वारा कुल 400 प्रश्नावली का वितरण किया गया जिसमें से 358 प्रश्नावली शुद्ध एवं पूर्ण रूप से भरी हुई यूजी और पीजी छात्रों से प्राप्त हुई, सभी 358 प्रश्नावलियों को अध्ययन के परिक्षण एवं विश्लेषण के लिए शोधार्थी द्वारा सम्मिलित किया गया।⁽⁹⁾

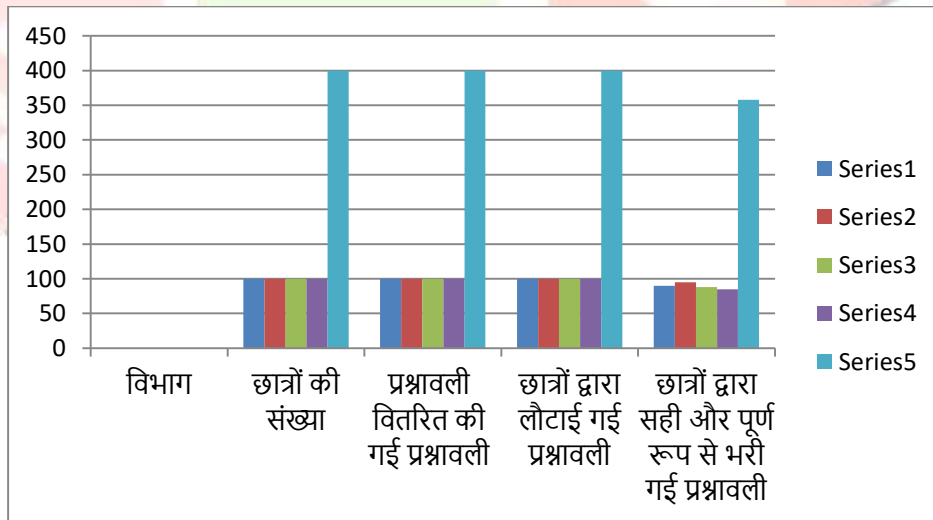
नमूना

तुलाज़ तकनीकी शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्रों का विवरण

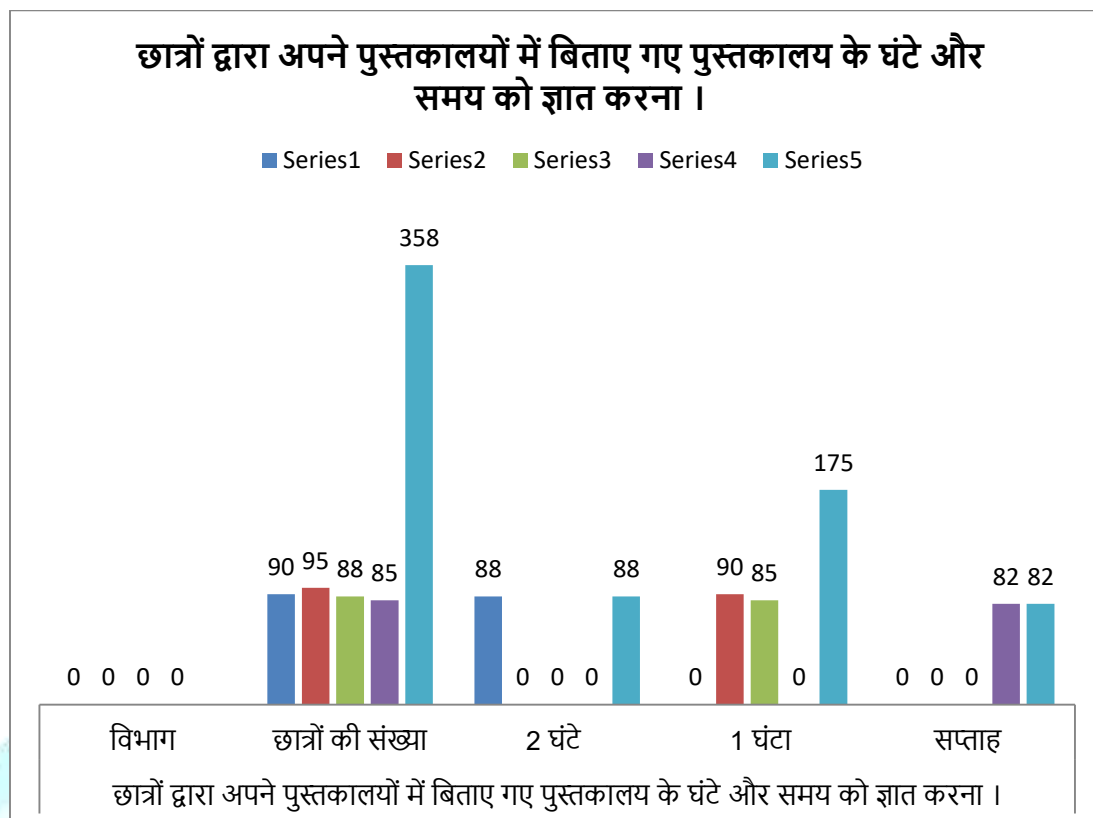
तालिका संख्या-1

विभाग	छात्रों की संख्या	प्रश्नावली वितरित की गई प्रश्नावली	छात्रों द्वारा लौटाई गई प्रश्नावली	छात्रों द्वारा सही और पूर्ण रूप से भरी गई प्रश्नावली
बी-टेक छात्र	100	100	100	90
एमबीए छात्र	100	100	100	95
एमसीए छात्र	100	100	100	88
बीएससी कृषि छात्र	100	100	100	85
	400	400	400	358

ग्राफ सांख्य-1



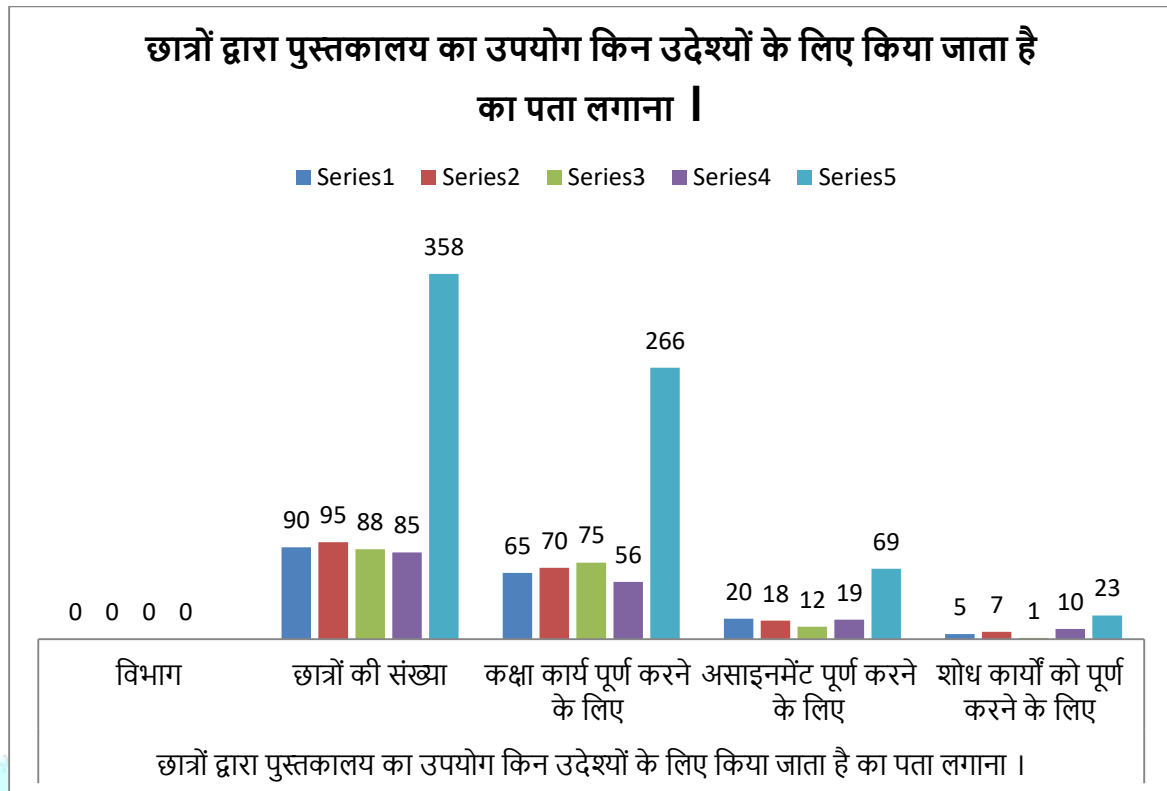
ग्राफ सांख्य-2



छात्रों द्वारा अपने पुस्तकालयों में बिताए गए पुस्तकालय के घंटे और समय को ज्ञात करना ।

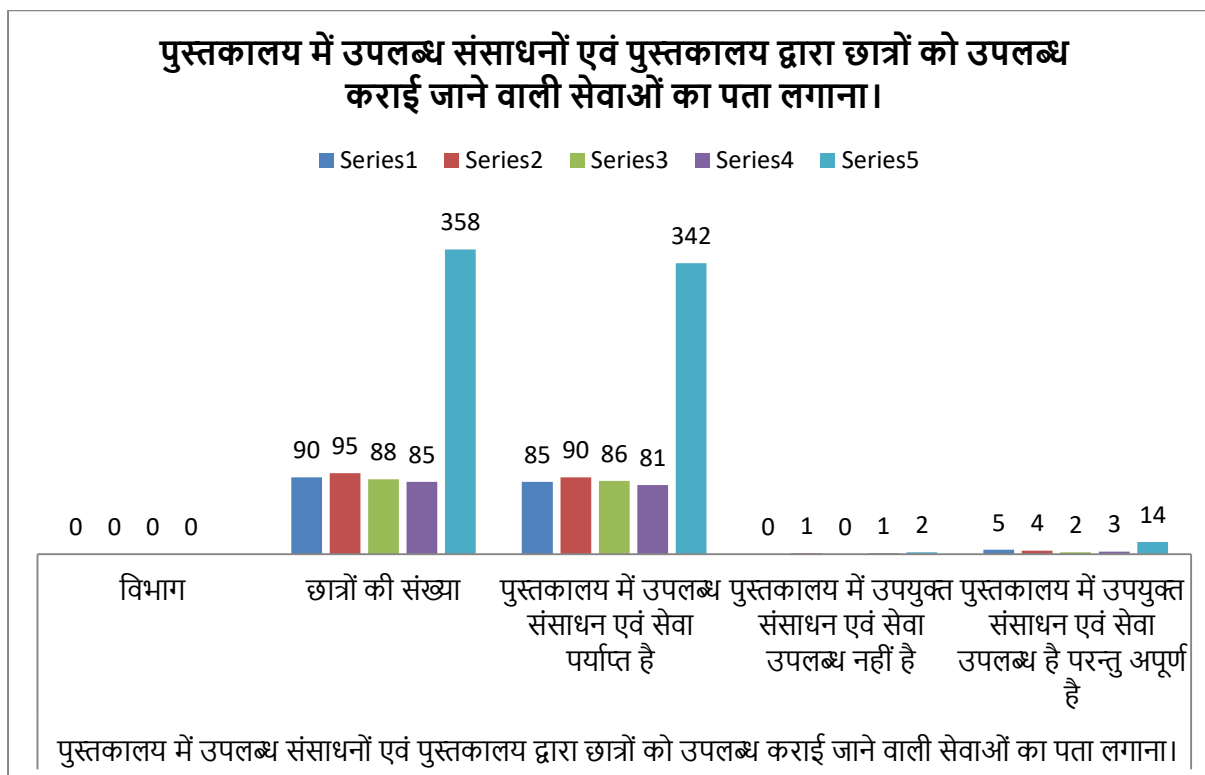
प्राप्त आकड़ों का अध्ययन एवं विश्लेषण करने के उपरान्त ज्ञात हुआ की देहरादून जिले के तुलाज शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों में से बी-टेक के अधिकतर 98 % छात्रों द्वारा पुस्तकालय में अपने अध्ययन एवं कक्षा कार्यों को पूर्ण करने के लिए प्रत्येक दिन २ घंटे का समय पुस्तकालय में व्यतीत किया जाता है। एमबीए के अधिकतर 95% छात्रों के द्वारा पुस्तकालय में अपने अध्ययन कार्यों को पूर्ण करने के लिए दिन में 1 घंटे का समय पुस्तकालय में व्यतीत किया जाता है। एमसीए के अधिकतर 97% छात्रों के द्वारा पुस्तकालय में अपने कक्षा कार्यों को पूर्ण करने के लिए प्रत्येक दिन 1 घंटे का समय पुस्तकालय में व्यतीत किया जाता है। बीएससी कृषि के अधिकतर 94% छात्रों के द्वारा पुस्तकालय में अपने कक्षा कार्यों को पूर्ण करने एवं कक्षा में मिले असाइनमेंट को पूर्ण करने के लिए सप्ताह में कम से कम 5 घंटे का समय पुस्तकालय में व्यतीत किया जाता है। जिससे यह ज्ञात होता है की सभी विभागों के छात्र किसी न किसी कारण से पुस्तकालय के संसाधनों एवं सेवाओं का उपयोग निरंतर करते हैं। (10)

ग्राफ सांख्य-3



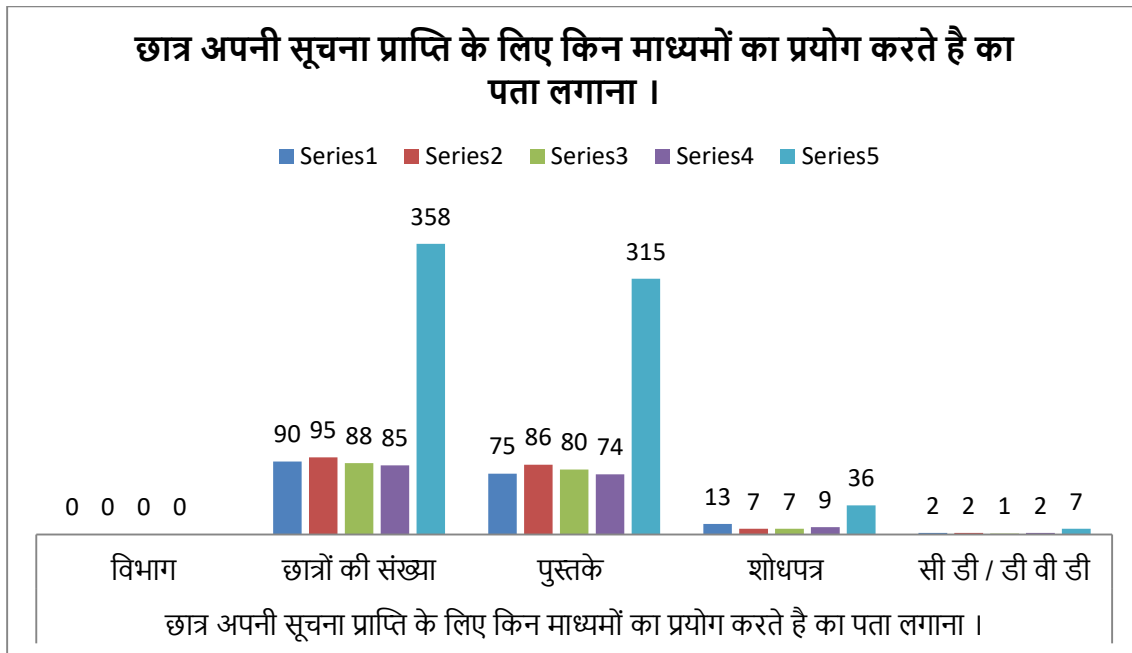
अध्ययन से प्राप्त आकड़ों का अध्ययन एवं विश्लेषण करने उपरांत यह ज्ञात होता है की देहरादून जिले के तुलाज़ शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों में से बी-टेक के 72 % छात्र कक्षा में मिले कार्यों को पूर्ण करने के लिए 22 % छात्र असाइनमेंट पूर्ण करने के लिए 6% शोध कार्यों को पूर्ण करने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। एमबीए के 74% छात्र कक्षा में मिले कार्यों को पूर्ण करने के लिए 19% असाइनमेंट पूर्ण करने के लिए 7% शोध कार्यों को पूर्ण करने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। एमसीए के 85 % छात्र कक्षा में मिले कार्यों को पूर्ण करने के लिए 14 % असाइनमेंट पूर्ण करने के लिए 1 % शोध कार्यों को पूर्ण करने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। बीएससी कृषि के 66 % छात्र कक्षा में मिले कार्यों को पूर्ण करने के लिए 22 % असाइनमेंट पूर्ण करने के लिए 12 % शोध कार्यों को पूर्ण करने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं। जिससे यह ज्ञात होता है की अधिकतर छात्र कक्षा में मिले कार्यों को पूर्ण करने के लिए पुस्तकालय का उपयोग अधिकतर करते है। वही कुछ छात्र कक्षा में मिले असाइनमेंट को पूर्ण करने के लिए एवं कुछ छात्र अपने शोध कार्यों को पूर्ण करने के लिए पुस्तकालय के संसाधनों एवं सेवाओं का निरंतर प्रयोग करते है।

ग्राफ सांख्य-4



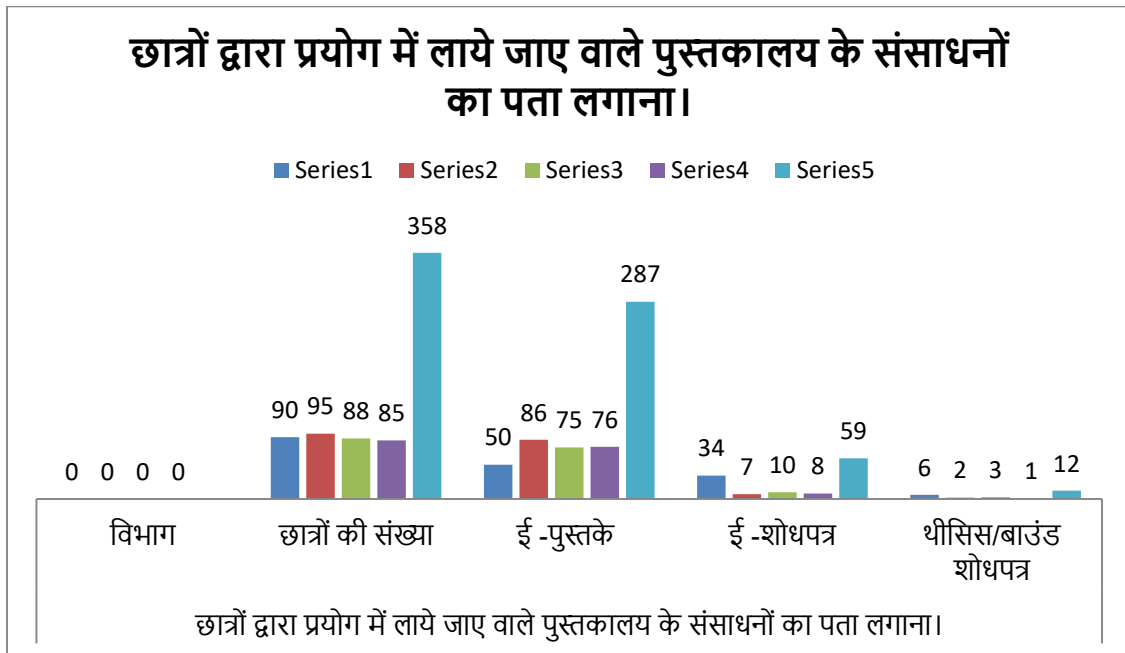
अध्ययन से प्राप्त आकड़ों का अध्ययन एवं विश्लेषण करने उपरांत यह ज्ञात होता है की देहरादून जिले के तुलाज़ शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों में से बी-टेक के 94.5 % छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उनके लिए पर्याप्त है 00 % छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उनके लिए पर्याप्त नहीं है 5.5 % छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उपलब्ध तो हैं परन्तु अपूर्ण है। एमबीए के 95 % छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उनके लिए पर्याप्त है 1% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उनके लिए पर्याप्त नहीं है 4% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उपलब्ध तो हैं परन्तु अपूर्ण है। एमसीए के 98% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उनके लिए पर्याप्त है 00% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उनके लिए पर्याप्त नहीं है 2% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उपलब्ध तो हैं परन्तु अपूर्ण है। बीएससी कृषि के 95% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उनके लिए पर्याप्त है 01% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उनके लिए पर्याप्त नहीं है 4% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवा एवं संसाधन उपलब्ध तो हैं परन्तु अपूर्ण है। जिससे यह ज्ञात होता है की अधिकतर छात्र पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों की पर्याप्तता से एवं पुस्तकालय द्वारा अपने उपयोगकर्ताओं को दी जाने वाली पुस्तकालय सेवाओं से पूर्ण रूप से संतुष्ट है।

ग्राफ सांख्य-5



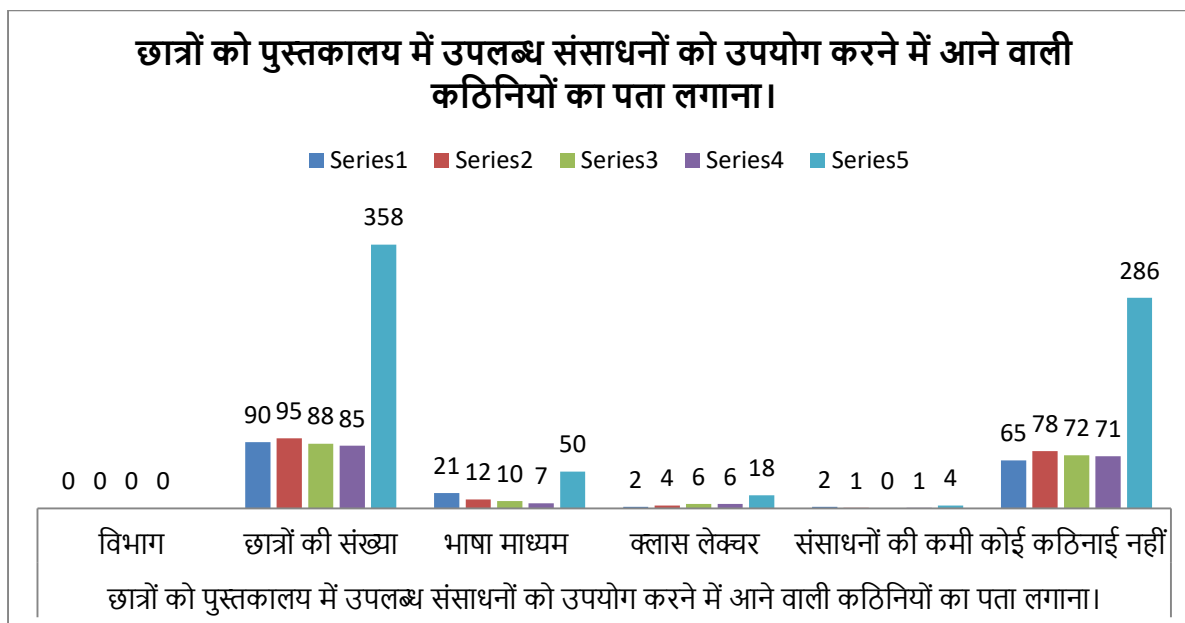
अध्ययन से प्राप्त आकड़ों का अध्ययन एवं विश्लेषण करने उपरांत यह ज्ञात होता है की देहरादून जिले के तुलाज़ शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों में से बी-टेक के 83 % छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली पुस्तकों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं 15 % छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले शोधपत्रों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं 2 % छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सी डी / डी वी डी से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं। एमबीए के 91 % छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली पुस्तकों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं 7% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले शोधपत्रों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं 2% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सी डी / डी वी डी से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं। एमसीए के 91% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली पुस्तकों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं 08% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले शोधपत्रों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं 1% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सी डी / डी वी डी से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं। बीएससी कृषि के 87% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली पुस्तकों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं 11% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले शोधपत्रों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं 2% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सी डी / डी वी डी से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते हैं। जिससे यह ज्ञात होता है की अधिकतर छात्र पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों से अपनी वांछित सूचना एवं अपनी सूचना का अन्वेषण करते हैं एवं सभी छात्र पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों से संतुष्ट हैं।

ग्राफ सांख्य-6



अध्ययन से प्राप्त आकड़ों का अध्ययन एवं विश्लेषण करने उपरांत यह ज्ञात होता है की देहरादून जिले के तुलाज़ शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों में से बी-टेक के 56% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली ई-पुस्तकों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। 38% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले ई-शोधपत्रों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। 06% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली थीसिस/बाउंड शोधपत्र से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। एमबीए के 91% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली ई-पुस्तकों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। 07% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले ई-शोधपत्रों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। 02% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली थीसिस/बाउंड शोधपत्र से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। एमसीए के 85% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली ई-पुस्तकों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। 11% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले ई-शोधपत्रों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। 04% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली थीसिस/बाउंड शोधपत्र से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। बीएससी कृषि के 89% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली ई-पुस्तकों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। 09% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले ई-शोधपत्रों से वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। 02% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली थीसिस/बाउंड शोधपत्र वह अपनी वांछित सूचना की प्राप्ति करते है। जिससे यह ज्ञात होता है की अधिकतर छात्र पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों से अपनी वांछित सूचना एवं अपनी सूचना का अन्वेषण करते है एवं सभी छात्र पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों से संतुष्ट है।

ग्राफ सांख्य-7



अध्ययन से प्राप्त आकड़ों का अध्ययन एवं विश्लेषण करने उपरांत यह ज्ञात होता है की देहरादून जिले के तुलाज़ शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों में से बी-टेक के 24% छात्रों का मानना है की संसाधनों के प्रयोग करने में समझ की कमी है। 02% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले संसाधनों तक छात्रों की पहुँच नहीं है अथवा वह पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधन नहीं प्रयोग कर पाते है। 02% छात्रों का मानना है की पुस्तकालयमें संसाधनों की कमी है। 72% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराये जाने वाली सेवाओं एवं पुस्तकालय में उपलब्ध सभी संसाधनों को प्रयोग करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं है, पुस्तकालय कार्मिकों द्वारा छात्रों को संसाधनों को प्रयोग करने की विधि का ज्ञान कराया है। एमबीए के 13% छात्रों का मानना है की संसाधनों के प्रयोग करने में समझ की कमी है। 04% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले संसाधनों तक छात्रों की पहुँच नहीं है अथवा वह पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधन नहीं प्रयोग कर पाते है। 01% छात्रों का मानना है की पुस्तकालयमें संसाधनों की कमी है। 82% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराये जाने वाली सेवाओं एवं पुस्तकालय में उपलब्ध सभी संसाधनों को प्रयोग करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं है, पुस्तकालय कार्मिकों द्वारा छात्रों को संसाधनों को प्रयोग करने की विधि का ज्ञान कराया है। एमसीए के 11% छात्रों का मानना है की संसाधनों के प्रयोग करने में समझ की कमी है। 07% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले संसाधनों तक छात्रों की पहुँच नहीं है अथवा वह पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधन नहीं प्रयोग कर पाते है। 0% छात्रों का मानना है की पुस्तकालयमें संसाधनों की कमी है। 82% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराये जाने वाली सेवाओं एवं पुस्तकालय में उपलब्ध सभी संसाधनों को प्रयोग करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं है, पुस्तकालय कार्मिकों द्वारा छात्रों को संसाधनों को प्रयोग करने की विधि का ज्ञान कराया है। बीएससी कृषि के 08% छात्रों का मानना है की संसाधनों के प्रयोग करने में समझ की कमी है। 07% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाले संसाधनों तक छात्रों की पहुँच नहीं है अथवा वह पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधन नहीं प्रयोग कर पाते है। 01% छात्रों का मानना है की पुस्तकालयमें संसाधनों की कमी है। 84% छात्रों का मानना है की पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराये जाने वाली सेवाओं एवं पुस्तकालय में उपलब्ध सभी संसाधनों को प्रयोग करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं है,

पुस्तकालय कार्मिकों द्वारा छात्रों को संसाधनों को प्रयोग करने की विधि का ज्ञान कराया है। जिससे यह ज्ञात होता है की अधिकतर छात्र पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों से भली-भांति परिचित है एवं सभी संसाधनों का प्रयोग बिना किसी कठिनाई के करते है (11)

डेटा संग्रह

शोध का आकार एवं पद्धति बी-टेक कंप्यूटर विज्ञान के छात्रों पर आधारित थी छात्रों के आलावा शोधार्थी द्वारा पूर्व में किये गए सर्वेक्षणों का भी अध्ययन किया गया जीके माध्यम से शोधार्थी एक अच्छी एवं तर्कपूर्ण प्रश्नावली बनाने में सक्षम हुआ। शोधार्थी द्वारा तुलाज्ञ शिक्षण संस्थान के पुस्तकालय क्रमिकों एवं सहायक प्रध्यापकों की सहायता से छात्रों से प्रश्नावली को भरवाया गया। शोधार्थी द्वारा प्रश्नवाली को भरवाने के लिए 4 कोर्स के छात्रों का चयन किया जिनमें से एक दिन में एक विषय के छात्रों से प्रश्नावली को भरवाने का कार्य किया गया जिसमें कुल 8 दिन का समय प्रश्नावलियों को भरवा में लगा.

प्रश्नावली के माध्यम से छात्रों की सूचना प्राप्त करने की प्रवर्ति एवं वर्तमान सूचना अन्वेषण व्यवहार का पता लगाना था। प्रश्नावली शोधार्थी द्वारा चयनित विषय को व्यापक रूप से खोजने अथवा अन्वेषण करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। साथ ही साथ प्राप्त आकड़ों को बेहतर ढंग से तुलनात्मक संरचना प्रदान करती है।

डेटा विश्लेषण

डेटा विश्लेषण यह समझाने का एक प्रकार है कि एक शोधकर्ता अपने शोध को कैसे पूर्ण करना चाहता है। यह शोध समस्या के निवारण के लिए तार्किक एवं व्यवस्थित योजना है। उचित कार्यप्रणाली विश्वसनीय एवं वैध परिणाम सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान को शोधकर्ता दृष्टिकोण का विवरण देती है, जो अनुसंधानकर्ता के उद्देश्यों को संबोधित करते हैं। वर्तमान शोध में वर्णनात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान अभिकल्प का प्रयोग किया गया है। (12)

चर्चा

उत्तराखंड के जिले देहरादून के तुलाज्ञ शिक्षण संस्थान के सामने सबसे बड़ी चुनौती छात्रों के प्रारंभिक शिक्षा का माध्यम है जिसमें छात्रों द्वारा बी-टेक की शिक्षा के दौरान हिंदी से अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा ग्रहण करना काफी चुनौती पूर्ण कार्य है।

शिक्षण संस्थान द्वारा छात्रों को उच्च इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी अकादमिक सहायता सुविधाएँ प्रदान की गयी है हालाँकि, सुविधाओं की समस्या से परे छात्रों में स्वयं के सीखने को कैसे व्यवस्थित करते हैं, वे उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक शैक्षणिक जानकारी कैसे प्राप्त करते हैं। इसलिए, उत्तराखंड के जिले देहरादून के तुलाज्ञ शिक्षण संस्थान में गुणवत्ता के मुद्दे को संबोधित करने के लिए, अलगाववादी, खंडित प्रवृत्तियों के बजाय अधिक समग्र दृष्टिकोण अपनाया गया है। वह छात्र जो पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सुविधाओं के प्रत्यक्ष लाभार्थी और उपयोगकर्ता हैं, उन्हें गुणवत्ता के मुद्दों में शामिल किया जाना चाहिए। इसलिए, यह अध्ययन छात्रों के अपने स्वयं के सीखने को व्यवस्थित करने के तरीके और यह कैसे जिले देहरादून में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है,

छात्रों के पास कई असाइनमेंट और कक्षा प्रस्तुतियाँ होती हैं, जिसके लिए उन्हें सीमित स्रोतों के संदर्भ में अकादमिक रूप से अमित्र लगने वाले वातावरण में अपने दम पर जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। जैसा कि इस अध्ययन से पता चलता है, इस अध्ययन में सूचीबद्ध स्रोतों की अधिकता में इंटरनेट सबसे अधिक परामर्शित स्रोत प्रदान करता है। यह ध्यान देने योग्य है कि इस विशेष शिक्षण संस्थान में छात्रों के पास इंटरनेट सुविधाओं तक पहुँच है, और वे अपनी शिक्षा के लिए इसका उपयोग करते हैं। इसलिए तुलाज़ शिक्षण संस्थान में स्नातक छात्रों द्वारा इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता सुविधाओं के प्रावधान में तत्काल कार्रवाई की मांग करती है। हालांकि यह पता लगाना अजीब है कि छात्रों ने इंटरनेट और प्रशिक्षकों के व्याख्यान नोट्स के बाद विश्वविद्यालय पुस्तकालय को तीसरा सबसे अधिक परामर्शित स्रोत माना है। छात्रों को पुस्तकालय में खोज करने की तुलना में इंटरनेट पर सामग्री ढूँढना वास्तव में आसान लगता है, एक ऐसा कार्य जो श्रमसाध्य लग सकता है। इस शोधपत्र में बताया गया है कि अधिकांश छात्रों द्वारा अपने कार्यों को पूर्ण करने के लिए इंटरनेट का उपयोग एवं पुस्तकालय की पुस्तकों और पत्रिकाओं पर बहुत अधिक निर्भरता थी। यह शायद एक सकारात्मक संकेत है कि तुलाज़ शिक्षण संस्थान पारंपरिक पुस्तकालय पर निर्भर शिक्षण संस्थान से अधिक आभासी पुस्तकालय-आधारित शिक्षण संस्थान में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ा है। प्रपात आकड़ों के विश्लेषण से यह आशा है कि जब छात्रों को पुस्तकालयों की क्षमता, कार्यों, सेवाओं एवं संसाधनों के संदर्भ में छात्रों को पूर्ण सूचना होगी, तो वे उनका अधिक उपयोग करेंगे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इंटरनेट उपयोग के संबंध में निष्कर्ष तुलाज़ शिक्षण संस्थान के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करते हैं। यदि तुलाज़ शिक्षण संस्थान में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता प्राप्त करनी है, तो इंटरनेट सुविधाओं के प्रावधान के लिए अधिक क्रांतिकारी और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा। वर्तमान में, यहाँ तक कि जिन विश्वविद्यालयों में इंटरनेट सुविधाएँ उपलब्ध हैं, वहाँ भी छात्रों की पहुँच के मामले में अभी भी सीमाएँ हैं। अधिकांश मामलों में, छात्रों के लिए इंटरनेट की पहुँच अभी भी काफी हद तक न्यूनतम है, तुलाज़ शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्रों में पुस्तकालय के प्रति रूचि है जिसका मुख्य कारण पुस्तकालय द्वारा प्राप्त छात्रों को प्राप्त करई जाने वाली सुविधायें एवं पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का संग्रह है। छात्रों द्वारा अपने कक्षा में मिले कार्यों को पूर्ण करने के लिए इंटरनेट सुविधा का प्रयोग बहुतायत से किया जरा है। छात्रों द्वारा शोध कार्यों को पूर्ण करने के लिए एवं कक्षा में मिले असाइनमेंट को पूर्ण करने के लिए पुस्तकालय उपलब्ध ई-पुस्तकों एवं ई-शोधपत्रों का प्रयोग किया जाता है। अपने को अधतन रखने के लिए पुस्तकालय में उपलब्ध संचारपत्रों एवं ई-समाचारपत्रों का अध्ययन भी छात्रों द्वारा अधिकाधिक किया जाता है। कुल मिलकर परिणामों के अध्ययन एवं विश्लेषण के उपरांत यह खा जा सकता है कि तुलाज़ शिक्षण संस्थान के पुस्तकालय में छात्रों के द्वारा मांगी जैन वाली सभी सामग्री एवं संसाधन उपलब्ध है।

परिणाम

शोधार्थी द्वारा किये गए शोध एवं शोध से प्राप्त आकड़ों के विश्लेषण एवं अध्ययन के परिणाम दर्शाते हैं कि बी-टेक कंप्यूटर विज्ञान के छात्रों का सूचना खोज व्यवहार मुख्य रूप से पुस्तकालय क्रमिकों के द्वारा किये जाने वाले व्यवहार एवं पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों एवं पुस्तकालय द्वारा प्राप्त कराई जाने वाली सेवाओं पर निर्भर करता है एवं प्रभावित होता है। बी-टेक कंप्यूटर साइंस के छात्रों द्वारा इंटरनेट का प्रयोग अपने कार्यों को पूर्ण करने के लिए बहुतायत से किया जाता है छात्र अपने कक्षा के कार्यों को कक्षा में मिले असेन्मेंट्स को पूर्ण करने के लिए ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-शोधपत्र, कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स आदि को प्राथमिकता देते हैं। छात्रों द्वारा ई-संसाधनों का प्रयोग करने के

उपरांत छात्र पुस्तकालय में उपलब्ध पाठ्य सामग्री का अध्ययन करते हैं छात्रों द्वारा अपने कर््यों को पूर्ण करने के लिए इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग निम्न कारणों जैसे सुविधा, गति, समय प्रतिबंध सेवाओं, स्रोतों का ज्ञान एवं पाठ्यक्रम की आवश्यकताएं शामिल हैं की वजह से किया जाता है।

निष्कर्ष

उत्तराखंड के जिले देहरादून में स्थित तुलाज शिक्षण संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में नयी उचाईयों को छू रहा है सन 2022 में शिक्षण संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद(नाक) द्वारा A+ ग्रेड दिया गया जिसका एक मुख्य कारण संस्थान का इंफ्रास्ट्रक्चर , उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण कार्य, उच्च शिक्षित शिक्षकों का समूह एवं सभी संसाधनों से सुसज्जित पुस्तकालय है। हल ही में तुलाज शिक्षण संस्थान को कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन (NBA) द्वारा तीन साल की मान्यता दी गयी है। जोकि तुलाज शिक्षण संस्थान के उच्च शिक्षा मीणा सराहनीय कार्यो को दर्शाता है। इन सभी के बावजूद भी तुलाज शिक्षण संस्थान के पुस्तकालय विभाग में एक सन्दर्भ सेवा केंद्र की कमी है जोकि छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है।

Bibliography

1. Singh, J. (2017). Information seeking behaviour of students in four post-graduate colleges of District Jalandhar (Punjab): A survey. *Library Progress (International)*, 37(1), 62-75.
2. Singh, J. (2017). Information seeking behaviour of students in four post-graduate colleges of District Jalandhar (Punjab): A survey. *Library Progress (International)*, 37(1), 62-75.
3. Singh, J. (2017). Information seeking behaviour of students in four post-graduate colleges of District Jalandhar (Punjab): A survey. *Library Progress (International)*, 37(1), 62-75.
4. Khan, J., & Bharadwaj, V. Information Seeking Patterns of the Library Users in Technical Educational Institutes in Delhi Region: An Evaluative Study. *Management of*, 315.
5. Nicholas, D., Huntington, P., Jamali, H. R., Rowlands, I., & Fieldhouse, M. (2009). Student digital information-seeking behaviour in context. *Journal of Documentation*, 65(1), 106-132.
6. Halder, S., Roy, A., & Chakraborty, P. K. (2010). The influence of personality traits on information seeking behaviour of students. *Malaysian Journal of Library and Information Science*, 15(1), 41-53.
7. George, C., Bright, A., Hurlbert, T., Linke, E. C., St Clair, G., & Stein, J. (2006). Scholarly use of information: graduate students' information seeking behaviour. *Information Research: An International Electronic Journal*, 11(4), n4.
8. Fidzani, B. T. (1998). Information needs and information-seeking behaviour of graduate students at the University of Botswana. *Library Review*, 47(7), 329-340.
9. A STUDY OF INFORMATION SEEKING BEHAVIOR AND INFORMATION SEARCH TRENDS OF USERS IN PRIVATE UNIVERSITY LIBRARIES WITH REFERENCE TO THE HARIDWAR CITY STATE OF UTTARAKHAND. (2024). *Ajasraa* ISSN 2278-3741, 13(7), 22-40. <https://doi.org/10.7492/etmdv946>.
10. A STUDY OF INFORMATION SEEKING BEHAVIOR AND INFORMATION SEARCH TRENDS OF USERS IN PRIVATE UNIVERSITY LIBRARIES WITH REFERENCE TO THE HARIDWAR CITY STATE OF UTTARAKHAND. (2024). *Ajasraa* ISSN 2278-3741, 13(7), 22-40. <https://doi.org/10.7492/etmdv946>.

11. A STUDY OF INFORMATION SEEKING BEHAVIOR AND INFORMATION SEARCH TRENDS OF USERS IN PRIVATE UNIVERSITY LIBRARIES WITH REFERENCE TO THE HARIDWAR CITY STATE OF UTTARAKHAND. (2024). Ajasraa ISSN 2278-3741, 13(7), 22-40. <https://doi.org/10.7492/etmdv946>.
12. A STUDY OF INFORMATION SEEKING BEHAVIOR AND INFORMATION SEARCH TRENDS OF USERS IN PRIVATE UNIVERSITY LIBRARIES WITH REFERENCE TO THE HARIDWAR CITY STATE OF UTTARAKHAND. (2024). Ajasraa ISSN 2278-3741, 13(7), 22-40. <https://doi.org/10.7492/etmdv946>.

